DU extends e-library to NCWEB girls

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

The Delhi University (DU) on Sunday extended e-library facilities worth Rs 50 crore for use of girl students of Non-Collegiate Women's Education Board (NCWEB).

A statement by the university said that the DU VC Professor Yogesh Singh during his interaction with the NCWEB students came to know of the library needs of the students and the University initiated the provision.

NOW, E-LIBRARIES ALSO FOR NCWEB STUDENTS IN DU

Aheli Das

htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Delhi university (DU) has planned to extend the e-library facility worth ₹50 crore to all Non-Collegiate Women's Education Board (NCWEB) students, an NCWEB official said. The facility has been operational for regular students since 2021 and will affect over 33,000 NCWEB students. "The resources were naturally very limited for the NCWEB students. However, now, along with access to the e-library, the university has directed the colleges to open the libraries for the centre's students too," Geeta Bhatt, director, NCWEB, said.

The NCWEB enables women, who cannot join regular college, to attend classes during Saturdays/Sundays and academic breaks to obtain degrees.

नॉन-कॉलेजिएट छात्राओं को मिलेगी ई-लाइब्रेरी सुविधा

■ राकेश नाथ

नई दिल्ली। एसएनबी

दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन कॉलेजिएट वूमेंस एजुकेशन बोर्ड (एनसीवेब) की हजारों छात्राओं के लिए राहत भरी खबर है। बोर्ड की छात्राओं को अब डीयू की ई लाइब्रेरी की सुविधा का लाभ उन्हें मिलने जा रहा है। इतना ही नहीं कॉलेजों की लाइब्रेरी को भी छात्राओं के लिए खोला जा रहा है। कॉलेजों की लाइब्रेरी के दरवाजे जनवरी से छात्राओं के लिए खोल दिये जाएंगे, जिन्हें अभी तक कॉलेज के नियमित विद्यार्थी इस्तेमाल करते थे।

डीयू के एनसीवेब की निदेशक प्रो गीता भट्ट ने बताया कि बोर्ड की छात्राओं के लिए यह फैसला लिया गया है। इस संबंध में कुलपति के साथ एक बैठक की गई थी, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। प्रो भट्ट ने बताया कि बोर्ड की हजारों छात्राएं अब दिल्ली विश्वविद्यालय की 50 करोड़ रुपये की लाइब्रेरी सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। इसके लिए छात्राओं को लॉगइन व पासवर्ड की सूचनाएं भेज दी गई हैं। निदेशक ने बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने एनसीडब्ल्यूईबी छात्राओं के साथ बातचीत के दौरान इन छात्राओं की लाइब्रेरी की आवश्यकताओं के बारे में जाना। विश्वविद्यालय ने तुरंत लाइब्रेरी की सुविधाओं को इन छात्राओं को सुगम करने का प्रयास किया। डीयू ई-लाइब्रेरी सुविधा एनसीडब्ल्यूईबी की उन छात्राओं की मदद करेगी जो दिल्ली विश्वविद्यालय के 26 कॉलेजों में स्थित एनसीडब्ल्यूईबी केंद्रों पर सप्ताहांत और शैक्षणिक अवकाश के दौरान कक्षाओं में भाग लेती है। नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड वर्ष 1944 से दिल्ली विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण घटक है। प्रो भट्ट ने बताया कि डीयू ई-लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म वर्ष 2021 में शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक उपयोगकर्ताओं को जोड़ना और उन्हें कहीं भी, कभी भी और किसी भी डिवाइस पर डीयू द्वारा सब्सक्राइब किए गए एवं लाखों और ओपन एक्सेस, ई-रिसोर्स उपलब्ध कराना है। इस सुविधा में शीर्ष भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों की 1,41,000 से अधिक ई-पुस्तकें, 3000 से अधिक प्रकाशनों के ई-समाचार पत्र, शीर्ष भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों के 1,50,000 से अधिक वीडियो व्याख्यान, अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में 1000 से अधिक विशेषज्ञ वार्ता और साहित्यिक रचनाएं नॉन-कॉलेजिएट छात्राओं के लिए उपलब्ध होंगी। एनसीवेब की निदेशक ने बताया कि डीयू ई-लाइब्रेरी सुविधा मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से स्मार्ट फोन पर भी उपलब्ध है, जो उन छात्राओं के लिए फायदेमंद होगी जो बड़े पैमाने पर कमजोर सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आती है। यह सुविधा छात्राओं को भविष्य के लिए संदर्भ सामग्री को सहेजने के लिए, व्यक्तिगत पठन सूची सुविधा भी प्रदान करती है, इन-बिल्ट रिमोट प्रमाणीकरण प्रक्रिया द्वारा सभी सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को छात्रों के लिए 2437 सुलभ बनाती है

डीयू का फैसला

- अब कॉलेजों की लाइब्रेरी का इस्तेमाल एनसीवेब की छात्राएं कर सकेंगी
- सुविधा से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की 33,000 से अधिक छात्राएं लाभान्वित होंगी

डीयू की ई-लाइब्रेरी की सुविधा सभी एनसीडब्ल्यूईबी छात्राओं को मिलेगी

कुलपति प्रो. योगेश सिंह

- डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने छात्राओं से वार्ता के दौरान जानी पुस्तकालय की आवश्यकता

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय की 50 करोड़ रुपये की लाइब्रेरी सुविधाओं को नॉन-कॉलिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) की छात्राओं के उपयोग के लिए सुगम बनाया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने एनसीडब्ल्यूईबी छात्राओं के साथ बातचीत के दौरान इन छात्राओं की लाइब्रेरी की आवश्यकताओं के बारे में जाना। जिसके बाद विश्वविद्यालय ने लाइब्रेरी की सुविधाओं को इन छात्राओं के लिए सुगम बनाने का प्रयास किया।

डीयू ई-लाइब्रेरी सुविधा एनसीडब्ल्यूईबी की उन छात्राओं की मदद करेगी जो दिल्ली विश्वविद्यालय के 26 कॉलेजों में स्थित एनसीडब्ल्यूईबी केंद्रों पर सप्ताहांत और शैक्षणिक अवकाश के दौरान कक्षाओं में भाग लेती हैं। नॉन-कॉलिजिएट महिला शिक्षा बोर्ड वर्ष 1944 से दिल्ली विश्वविद्यालय का महत्वपूर्ण घटक है। डीयू ई-लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म वर्ष 2021 में शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक उपयोगकर्ताओं को जोड़ना और उन्हें कहीं से भी किसी भी डिवाइस पर डीयू द्वारा सब्सक्राइब किए गए एवं लाखों और ओपन एक्सेस, ई-रिसोर्स उपलब्ध कराना है। 35 करोड़ रुपये की लागत वाले ई-लाइब्रेरी संसाधन अब नॉन-कॉलिजिएट छात्रों के लिए उपलब्ध होंगे।

इस सुविधा में शीर्ष भारतीय और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों के 1,41,000 से अधिक ई-पुस्तकें, 3000 से अधिक प्रकाशनों के ई-समाचार पत्र, शीर्ष भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों के 1,50,000 से अधिक वीडियो लेक्चर, अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में 1000 से अधिक विशेषज्ञ वार्ता और साहित्यिक रचनाएं नॉन-कॉलिजिएट छात्राओं के लिए उपलब्ध होंगी।

डीयू ई-लाइब्रेरी सुविधा मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से स्मार्ट फोन पर भी उपलब्ध है, जो उन छात्राओं के लिए फायदेमंद होगी जो बड़े पैमाने पर कमजोर सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आती हैं। यह सुविधा छात्राओं को भविष्य के लिए संदर्भ सामग्री को सहेजने के लिए, व्यक्तिगत पठन सूची सुविधा भी प्रदान करती है, इनबिल्ट रिमोट प्रमाणीकरण प्रक्रिया द्वारा सभी सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को छात्रों के लिए 24×7 सुलभ बनाती है। इस सुविधा से ग्रामीण राजधानी क्षेत्र की 33,000 से अधिक छात्राएं लाभान्वित होंगी।

विश्वविद्यालय ने एनसीडब्ल्यूईबी केन्द्रों पर नियमित कॉलेज की लाइब्रेरी की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। नियमित कॉलेज की लाइब्रेरी सुविधा एनसीडब्ल्यूईबी छात्राओं के लिए आगामी सेमेस्टर, जनवरी 2025 से उपलब्ध रहेगी।

एनसीवेब की छात्राओं को मिलेगी ई-लाइब्रेरी की सुविधा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय के नान कालेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीवेब) की छात्राओं को अब 50 करोड़ रुपये तक की लाइब्रेरी की सुविधा मिलनी शुरू होगी। इसके तहत उन्हें ई-लाइब्रेरी और नियमित कालेजों की लाइब्रेरी का इस्तेमाल करने की छूट होगी। पिछले दिनों एनसीवेब की छात्राओं ने डीयू के कुलपति प्रो. योगेश सिंह से मुलाकात की थी। इस दौरान छात्राओं ने लाइब्रेरी की सुविधा का विस्तार करने की अपील की थी। डीयू के कुलपति ने इन्हें सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

एनसीवेब की छात्राओं के लिए डीयू उत्तर परिसर के केंद्र में छोटी सी लाइब्रेरी की सुविधा मिलती है। इससे उनका समाधान नहीं हो पाता। इसलिए छात्राएं कई दिनों से सुविधाओं का विस्तार करने की मांग कर रहीं थीं। एनसीवेब के एक अधिकारी ने कहा,

डीयू ई-लाइब्रेरी प्लेटफार्म वर्ष 2021 में शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक उपयोगकर्ताओं को जोड़ना और उन्हें कहीं भी, कभी भी और किसी भी तकनीकी उपकरण पर डीयू की ओर से सब्सक्राइब किए गए एवं लाखों और खुले, ई-जर्नल उपलब्ध कराना है। 35 करोड़ रुपये की लागत वाले ई-लाइब्रेरी संसाधन अब एनसीवेब की छात्राओं को

डीयू ने छात्राओं के लिए 50 करोड़ रुपये की लाइब्रेरी सुविधा का विस्तार किया, 2021 में शुरू किया गया था ई-लाइब्रेरी प्लेटफार्म

मिलने शुरू होंगे। इस सुविधा में शीर्ष भारतीय और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों की 1,41,000 से अधिक ई-पुस्तकें, तीन हजार से अधिक प्रकाशनों के ई-समाचार पत्र, शीर्ष भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों के डेढ़ लाख से अधिक वीडियो व्याख्यान, अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू में एक हजार से अधिक विशेषज्ञ वार्ता और साहित्यिक रचनाएं मिलेंगी। एनसीवेब की निदेशक प्रो. गीता भट्ट ने कहा कि डीयू ई-लाइब्रेरी सुविधा मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से स्मार्ट फोन पर भी उपलब्ध है, जो उन छात्राओं के लिए फायदेमंद होगी जो बड़े पैमाने पर कमजोर सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आती हैं। यह सुविधा छात्राओं को भविष्य के लिए संदर्भ सामग्री को सहेजने के लिए, व्यक्तिगत पठन सूची सुविधा भी प्रदान करती है, इनबिल्ट रिमोट प्रमाणीकरण प्रक्रिया द्वारा सभी सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों को छात्राओं के लिए 24 घंटे सुलभ बनाती है। इस सुविधा से 33 हजार से अधिक छात्राएं लाभांवित होंगी। विश्वविद्यालय ने एनसीवेब के 26 केंद्रों पर नियमित कालेज की लाइब्रेरी की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। नियमित कालेज की लाइब्रेरी सुविधा छात्राओं के लिए आगामी सेमेस्टर, जनवरी 2025 से उपलब्ध रहेगी। छात्राएं कालेज की ओर से तय समय के अनुसार लाइब्रेरी का लाभ ले सकेंगी। प्रो. गीता भट्ट ने बताया कि डीयू ई-लाइब्रेरी सुविधा एनसीवेब की उन छात्राओं की मदद करेगी, जो 26 कालेजों में स्थित केंद्रों पर शनिवार व रविवार और शैक्षणिक अवकाश के दौरान कक्षाओं में भाग लेती हैं।